Variable (चर)

चर का सरल शब्दों में अर्थ
What is Variable-चर का सरल शब्दों में अर्थ होता है कोई ऐसी चीज जिसमें किसी एक या अन्य कारण से बदलाव आता रहता है, अर्थात चर कोई भी चीज जिसका मान बदले उसे चर कहा जाता है।

चर की प्रमुख परिभाषाएं

परिभाषा की दृष्टि से इसके अर्थ एवं प्रकृति के बारे में विभिन्न विद्वानों ने जो विचार व्यक्त किए हैं वह निम्नलिखित है आइए जानते हैं विभिन्न विद्वानों के विचार।

डी ए मेट्रो के शब्दों में- वस्तुओं घटनाओं या व्यक्तियों के मापन योग्य किसी भी गुण को चर कहा जाता है।

कारलिंग के अनुसार-एक चर एक चिन्ह (सिंबल) है जिसमें अंक अथवा मूल्य अंकित किया जा सके चर संख्यात्मक भी हो सकता है और गुणात्मक भी।

चार्ल्स स्टैग्नर के अनुसार-
चर से तात्पर्य उस गुण विशेष से है जिस की उपस्थिति विभिन्न व्यक्तियों में विभिन्न प्रकार की हो सकती है और इसमें समय और स्थिति के हिसाब से भी बदलाव आ सकता है।

एम एस पैटन के अनुसार-
चर से अभिप्राय किन्ही दो या दो से अधिक श्रेणियों से युक्त किसी विशेष या विशेषता से है प्रतिभागी श्रेणी विशेष (जिससे वे संबंधित हैं) के हिसाब से भिन्न दिखाई देते हैं।

डोनिजो रॉबिंस के अनुसार- एक चर संप्रत्यय या मात्रा है जिसमें बदलाव आते रहते हैं जिसे परिभाषित किया जा सकता है और जिसकी अपनी कुछ विशेषताएं या गुण होते हैं इन विशेषताओं या गुणों से तात्पर्य उन तत्वों से होता है जिनसे चर की रचना होती है और जिन्हें प्रदत्त संकलन से पहले ही परिभाषित कर लिया जाता है। प्रत्येक चर में कम से कम 2 गुण अवश्य होते हैं।
उदाहरण के लिए नर और नारी, यह दोनों लिंग नामक चर की श्रेणियों या विशेषताओं के द्योतक हैं और

विवाहित तथा अविवाहित, वैवाहिक स्थिति नामक चर की श्रेणियां या गुण हैं। शैक्षिक स्तर, दूरी, आय, जाति, जनजाति ऊंचाई व्यवसाय तथा भार आदि भी चरणों के उदाहरण हैं परंतु प्रोफेसर विद्यार्थी 40 वर्षीय ₹500, शहरी निवासी आदि। अपने आप में केवल मात्र गुण या विशेषताएं हैं चर नहीं क्योंकि यह परिवर्तित नहीं होते।

गैरेट के अनुसार –
चरों से तात्पर्य उन गुण या विशेषताओं से है जिनमें मात्रात्मक विभिन्नता झलकती है तथा जिनके 1 या अन्य आयामों में बदलाव आता रहता है।

उपरोक्त परिभाषाओ से यह स्पष्ट होता है कि व्यावहारिक विज्ञान में किए जाने वाले अनुसंधान में प्रयुक्त चरों से तात्पर्य व्यक्ति वस्तु घटना या विचार विशेष के संप्रत्यय या मानव रचना कृतियों की उन विशेषताओं या गुणों से होता है जिनमें अनुसंधान के प्रयोजन और परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन होते रहते हैं

नोट - चर को सरल शब्दों में इस प्रकार कह सकते हैं कि चर एक संप्रत्यय या मानस रचना की थी जिसके गुण या विशेषताओं के मात्रात्मक या गुणात्मक मान परिस्थिति अनुसार बदलते रहते हैं

उदाहरण के लिए

1. मतदाताओं के एक प्रतिदर्श को लेकर सर्वेक्षण किया गया प्रत्येक मतदाता को एक-एक कार्ड दिया गया जिसमें उन्हें पहले तो अपना लिंग पुरुष या स्त्री अंकित करना था और फिर यह बताना था कि वे किस राजनैतिक पार्टी को अपना मत देना चाहते हैं इस सर्वेक्षण का उद्देश्य यह देखना था कि क्या पुरुष या स्त्री होना पार्टी के प्रति विशेष रुझान का सूचक है।

2. इस उदाहरण में या अच्छी तरह समझा जा सकता है कि अनुसंधानकर्ता के सामने उसकी शोध समस्या में दो प्रकार के चर हैं 12 लिंग चर जिसे दो श्रेणियों पुरुष और स्त्री में विभक्त किया गया है और दूसरा चर पार्टी विशेष जिसे तीन श्रेणियों जैसे कांग्रेश भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी में

विभक्त किया गया है।यहां हमें विशेष रूप से या ध्यान रखना होगा कि चर और उसकी श्रेणियों में उचित अंतर बनाए रखा जा सके।

3. उदाहरण के लिए पुरुष लिंग नामांक चर के लिए प्रयुक्त दो श्रेणियों में से एक है यह श्रेणी है चार नहीं चित्रा के रूप में चार और श्रेणियों में पाए जाने वाले इस अंतर को निम्न प्रकार दर्शाया जा सकता है चर लिंग दो श्रेणियां पुरुष स्त्री।

चर के प्रकार

1- (A)Continuous Variable- (सतत अविच्छिन्न चर)

(B)Discrete Discontinuous Variable-(असतत विच्छिन्न चर)

2- (A)nominal Variables- (नामित चर)

(B)Quantitative Variables (मात्रात्मक या परिमाणात्मक चर)

3- (A) Independent (स्वतंत्र)

(B) Dependent and (आश्रित तथा)

(C) intervening variables